July 22, 2024
Monday

Date :
P. No. : 12

पाठ ⇒

काले मेघा पानी दे

धर्मवीर भारती

जीवन परिचय ⇒

धर्मवीर भारती का जन्म उत्तर प्रदेश के इलाहबाद जिले में सन् 1926 में हुआ था। इनके बचपन का कुछ समय आजमगढ़ व मऊनाथ भंजन में बीता। सन् 1942 में इन्होंने इन्टर कॉलेज कायस्थ पाठशाला से इन्टर मीडिएट किया। 1960 में नौकरी छोड़कर धर्मयुग पत्रिका का संपादन किया। दूसरा सप्तक में इनका स्थान विशिष्ट था। इन्होंने इंग्लैंड, जर्मनी, थाईलैंड, इण्डोनेशिया आदि देशों की यात्राएँ की। 1997 में इनकी मृत्यु हो गयी

प्रमुख रचनाएँ ⇒

कविता संग्रह = कनुप्रिया, सात-गीत वर्ष, ठंडा लोहा।
कहानी संग्रह - बंद गली का आखिरी मकान, मुर्दों का टीला, चाँद और टूटे हुए लोग।
उपन्यास - सूरज का सातवाँ घोड़ा, गुनाहों का देवता,
गीतिनाट्य - अंधा युग
निबंध संग्रह - कहनी - अनकहनी, ठेले पर हिमालय,
आलोचना - मानव मूल्य और साहित्य
एकांकी संग्रह - नदी प्यास

साहित्यिक विशेषताएँ =>

धर्मवीर भारती के लेखन की खासियत यह है कि हर उम्र और हर वर्ग के पाठकों के बीच उनकी अलग-अलग रचनाएँ लोकप्रिय हैं। ये मूल रूप से व्यक्ति स्वातंत्र, मानवीय संबंध एवं रोमानी चेतना के रचनाकार हैं। इनकी कविताएँ, कहानियाँ, उपन्यास, निबंध, रिपोतार्ज, हिंदी साहित्य की उपलब्धियाँ हैं।

भाषा शैली =>

धर्मवीर भारतीय जी ने निबंध और रिपोतार्ज भी लिखे इनके गद्य लेखन में सहजता व आत्मीय है। बड़ी-से बड़ी बात को बातचीत की शैली में बहुत ही आसानी से कह देते हैं और पाठकों का मन छू लेते हैं। इन्होंने धर्मयुग पत्रिका को सजा-सवारकर गंभीर पत्रकारिता का एक मानक बनाया। वस्तुतः धर्मवीर भारतीय का स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के साहित्यकारों में प्रमुख स्थान रहा।

साहित्य में स्थान =>

आधुनिक काल के द्वितीय तारसप्तक के कवियों/लेखक में आपका नाम युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगा।

प्रश्न० 1 लोगों ने लड़कों की टोली को मेंढक-मंडली नाम किस आधार पर दिया? यह टोली अपने आपको इंदर सेना कहकर क्यों बुलाती थी?

उत्तर: 1 लोग जब इन लड़कों की टोली को कीचड़ में धँसा देखते, उनके शरीर को, उनके शौर-शराबे को, तथा उनके कारण गली में होने वाली कीचड़ या गंदगी को देखते हैं, तो उन्हें मेंढक मंडली कहते हैं। लेकिन बच्चों की यह टोली अपने-आप को इंदर सेना कहती थी, क्योंकि यह इंदर देवता को बुलाने के लिए लोगों के घर से पानी मांगते थे और नहाते थे। प्रत्येक बच्चा अपने-आप को इंद्र कहता था। इसलिए यह इंदर सेना था।

प्रश्न: 2 जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया?

उत्तर: 2 जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने के समर्थन में कई तर्क दिए, जो निम्नलिखित हैं:—

(i) किसी से कुछ पाने के लिए पहले कुछ चढ़ावा देना पड़ता है। इंद्र को पानी का जल चढ़ाने से ही वे वर्षा के माध्यम से पानी देंगे।

(ii) जिस तरह किसान अपनी तरफ से पाँच-छः सेर गेहूं खेतों में बोता है, ताकि उसे 30-40 मन गेहूँ मिल सके। इसी तरह पानी की बुआई से बादलों की अच्छी फसल होती है और खूब वर्षा होती है।

प्रश्न:3 पानी दे, गुड़धानी दे मेघों से पानी के साथ-साथ गुड़धानी की माँग क्यों की जा रही है?

उत्तर:3 गुड़धानी शब्द का वैसे तो अर्थ होता है— गुड़ और चने से बना लड्डू। लेकिन यहाँ गुड़धानी से आशय अनाज से है। बच्चे पानी की मांग तो करते ही हैं लेकिन वे अंदर से यह भी प्रार्थना करते हैं कि हमें खूब अनाज भी देना ताकि हम चैन से खा सकें। केवल पानी देने से हमारा कल्याण नहीं होगा। खाने के लिए अन्न भी चाहिए इसलिए हमें गुड़धानी भी दो।

प्रश्न:4 गगरी फूटी बैल पियासा इंदर सेना के इस खेलगीत में बैलों के प्यासा रहने की बात क्यों मुखरित हुई है?

उत्तर:4 ग्रीष्म ऋतु की असहनीय लू में प्रकृति का प्रत्येक जीव जंतु और पेड़ पौधे व्याकुल हो जाते हैं, उन्हें जीभरकर पानी नहीं मिल पाता। फलस्वरूप वे प्यासे ही रहने को मजबूर हो जाते हैं। इसलिए इंदर सेना के इस खेल गीत में बैलों के प्यासा रहने की बात मुखरित हुई है।

प्रश्न:5 इंदर सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों बोलती है? नदियों का भारतीय सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश में क्या महत्व है?

उत्तर : 5 नदियाँ धार्मिक और सामाजिक आस्थाओं का प्रतीक हैं वे प्रकृति की जीवन दायनी होती है। उनके बिना जीवन की कल्पना करना भी असंभव है गंगा नदी से लोगों की भावनाएँ जुड़ी हुई हैं, यह वर्षभर बहती हुई भारत के एक लंबे हिस्से को सींचित करती है। इसका पानी भी अमृत के समान है। इसी कारण इंदर सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय बोलती है। भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश में नदियाँ देवियों के रूप में आराध्य होती हैं, वे पीने योग्य शुद्ध जल प्रदान करती हैं। इनके जल से सिंचाई की जाती है। इस प्रकार इन्हें जीवन दायनी भी कहा जाता है।

प्रश्न : 6 रिश्तों में हमारी भावना - शक्ति का बँट जाना विश्वासों के जंगल में सत्य की राह खोजती हमारी बुद्धि की शक्ति को कमजोर करती है। पाठ में जीजी के प्रति लेखक की भावना के संदर्भ में इस कथन के औचित्य की समीक्षा कीजिए।

उत्तर : 6 प्रस्तुत पाठ में लोक प्रचलित विश्वास और विज्ञान का विरोधाभासी चित्रण हुआ है विज्ञान किसी भी बात को तर्कों के आधार पर सिद्ध करता है किंतु विश्वास की अपनी सामर्थ्य होती है। ऐसे में कभी-कभी हम विज्ञान तर्कों से हटकर विश्वास पर ही कायम हो जाते हैं। लेखक वैज्ञानिक आधार

को महत्व देता है वह ईंदर सेना पर बाल्टी से पानी डालने को अंधविश्वास मानता है, वह उसे पानी की बर्बादी ही मानता है, किंतु जीजी के विश्वास भरे तर्कों के सामने वह अपनी वैज्ञानिक दृष्टि से हटकर विश्वास पर आ टिकता है वह भी सोचने लग जाता है कि वे विश्वास किसी धर्म या समुदाय के लिए हानिकारक या अपमान-करी नहीं हैं। उनसे लोगों की भावनाएँ परस्पर जुड़ी हुई हैं।

W
13/8/24